

राधे राधे | By Madhur Sharma

राधे तेरे चरणों की धूल में जो समा जाऊं
श्यामा तेरे चरणों की धूळ में जो समा जाऊं
बस इतनी कृपा कर दो खुद को मैं भूल जाऊं
राधे

तेरे भण्डार से कुछ ना जायेगा
मेरी तक्रदीर संवर जायेगी
शान में तेरे ना कुछ कमी होगी
मेरी तस्वीर बदल जाएगी
संग संग चलूँ तेरे कदमों पे पलूँ तेरे
दिन रात तेरे गुण गाऊं
राधे

तेरे पग पैजनी की रुनझुन
मेरी रग रग में आ समाएगी
भूल जाऊंगा मैं इस ज़माने को
फिर कोई माया भी ना सताएगी
राधे राधे जपूँ मैं श्यामा श्यामा जपूँ
दिन रात तेरे गुण गाऊं
राधे

अपने जज्बात को बयां करना
गर कोई गुनाह हो तो हो जाए
तेरी नज़रों में गर मुजरिम हूँ मैं
तो कोई सख्त सज़ा हो जाए
बार बार भूल करूँ हर सजा कुबूल करूँ
राधे राधे गाऊं

दिन रात तेरे गुण गाऊं
राधे

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%a7%e0%a5%87-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%a7%e0%a5%87-by-madhur-sharma/>